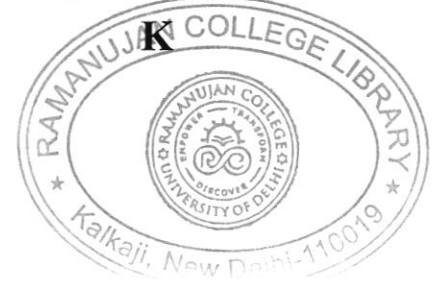


[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

**Sr. No. of Question Paper : 5399**  
Unique Paper Code : 2102101103  
Name of the Paper : DEC – 3 Indian Philosophy  
Name of the Course : **B.A. (Hons) Philosophy**  
Semester / Annual : I  
Duration : 3 Hours



Maximum Marks : 90

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Give an overview of various Indian Philosophical System in reference of J.N. Mohanty's book chapter.

जे.एन. मोहंती की पुस्तक के अध्याय के संदर्भ में विभिन्न भारतीय दार्शनिक प्रणालियों का अवलोकन प्रस्तुत कीजिए।

2. Discuss A.K. Warder's view on the origin and development of Indian philosophy.

भारतीय दर्शन की उत्पत्ति और विकास पर ए.के. वार्डर के विचारों पर चर्चा कीजिए।

P.T.O.

3. Analyse the 'Four Noble Truths' propounded by the Buddha.

बुद्ध द्वारा प्रतिपादित 'चार आर्य सत्य' का विश्लेषण कीजिए।

4. Examine Cārvāka philosophy as a materialistic philosophical school.

भौतिकवादी दार्शनिक विचारधारा के रूप में चार्वाक दर्शन का परीक्षण कीजिए।

5. Explain the doctrine of *Pariṇāmavāda* in Samkya philosophy.

सांख्य दर्शन में परिणामवाद के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

6. Elucidate the Nyāya understanding of perception as a valid means of knowledge (*Pramdāṇa*).

ज्ञान के एक वैध साधन (प्रमाण) के रूप में प्रत्यक्ष की स्याय सम्बन्धी बोध को स्पष्ट कीजिए।

7. Critically evaluate the Jaina theory of *Syādvāda* and its philosophical implications.

जैन के स्याद्वाद सिद्धांत और उसके दार्शनिक आशय का आलोचनात्मक मल्यांकन कीजिए।

8. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) *Śruti* and *Smṛti*.

श्रुति और स्मृति।

(b) *Śreyas* and *Preyas* in reference to *Kaṭha Upaniṣad*.

कठोपनिषद के संदर्भ में श्रेयस और प्रेयस।

(c) *Pratītyasamutpada* (Dependent origination).

प्रतीत्यसमुत्पाद (आश्रित उत्तपत्ति)।

(d) *Puruṣa* in Sāṅkya philosophy.

सांख्य दर्शन में पुरुष।

(e) Explain the Concept of Karma (action), Jnāna (knowledge) and Bhakti (Devotion)

कर्म, ज्ञान और भक्ति की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।